बर्षः- 06
अंकः- 108
मुरादाबाद
(Friday)
07 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी की बड़ी घोषणा, बोले- अब घुमंतू समाज को दर - दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगी, मिलेगा विकास का अवसर

मुख्यमंत्री ने घुमंतू विकास बोर्ड को उपेक्षित समुदायों के सम्मान, पुनर्वास और समग्र विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इन समुदायों को आवास, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ेगी। वर्षों से वंचित समाज को मुख्यधारा में लाकर सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब घुमंतू समाज को दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। डबल इंजन की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाने, शासन की

प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना से जोड़ने और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

प्रदेश कैबिनेट द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड गठन के निर्णय के उपरांत गुरुवार को समाज को ओर से आयोजित आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का जो मंत्र देश को दिया था, उसी संकल्प का विस्तार आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बिना जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा किसी प्रकार के भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच की नई कड़ी घुमंतू विकास बोर्ड है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने वनटांगिया, मुसहर, थारू, गौड़, चेरो, बुक्सा, कोल, सहरिया सहित अनेक वंचित समुदायों को पहली बार शासन की योजनाओं से व्यापक रूप से जोड़ा है। राशन कार्ड, भूमि के पट्टे, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, नि:शुल्क विद्युत एवं गैस कनेक्शन तथा वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ इन समुदायों तक पहुंचाया गया है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सभी योजनाओं से शत प्रतिशत आच्छादित करना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बार-बार कहते हैं कि जिन्हें कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने कभी नहीं पूछा, उन्हें पूजते हुए सम्मान देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य डबल इंजन सरकार ने किया है। सरकार के लिए जनता केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि जनार्दन है और इसी भावना के साथ प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाया जा रहा है।सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य कर रही-सीएम ने कहा कि इसी तरह अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय तथा श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ आवास एवं भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडरों, विद्यार्थियों, युवाओं तथा विमुक्त एवं घुमंतू समाज सहित प्रत्येक वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य कर रही है।

शासन की सभी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा- मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कोई भी इन समुदायों को क्रिमिनल ट्राइब नहीं कह सकता। ये वे वीर समुदाय हैं जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। डबल इंजन सरकार उन्हें वही सम्मान दिलाने का कार्य कर रही है जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं। घुमंतू विकास बोर्ड इन समुदायों की पहचान कर उन्हें शासन की सभी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने सपेरा समाज का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह समुदाय प्राचीन काल से शिवावतारी गुरु श्री गोरखनाथ जी की परंपरा का अनुयायी रहा है। विदेशी आक्रमणों के समय जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे, तब यही समाज भजन और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोगों को सचेत करता था तथा समाज को जागरूक बनाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाता था। आज भी यह समाज घुमंतू जीवन व्यतीत कर रहा है। राज्य सरकार इनके सम्मानजनक पुनर्वास तथा समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

संक्षिप्त समाचार

गलत बातें फैला रहे राहुल-खरगे: रविशंकर प्रसाद बोले- अमित शाह बहस के लिए तैयार, फिर भी भाग रहा विपक्ष

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेताओं पर संसद में हंगामा करने और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार हर सवाल का जवाब देने को तैयार है, लेकिन विपक्ष बहस से भाग रहा है। साथ ही उन्होंने झारखंड में परीक्षा धांधली पर राहुल गांधी की चुप्पी पर भी कड़े सवाल उठाए।भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेता गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ झूठी बातें फैला रहे हैं। विपक्ष जानबूझकर संसद में हंगामा कर रहा है। वह मुद्दों पर बहस करने से बच रहा है। संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए रविशंकर प्रसाद ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री संसद में रोज आते हैं। सदन चलने पर वह विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं। गृह मंत्री शाह तैयार, फिर भी क्यों भाग रहा विपक्ष?- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि गृह मंत्री अपने दफ्तर में सुबह 10 बजे से शाम सात बजे तक बैठते हैं। वह हर वक्त सदन में मौजूद रहते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और खरगे रोज नया नाटक करते हैं। वे पोस्टर लेकर आते हैं और गृह मंत्री को बुलाने की मांग करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्षी नेता पहले संसद को चलने दें। बहस की शुरुआत होने पर गृह मंत्री खुद सामने आएंगे। वह विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब देंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के बीच एक्स पर जुबानी जंग हुई। आप नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में इथेनॉल मिश्रण शुरू करने की योजना बना रहा है।आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और भाजपा के आईटी विभाग प्रमुख अमित मालवीय के बीच एक्स पर तीखी बहस सामने आई। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन में इथेनॉल मिश्रण करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार ई20 ईंधन के बाद पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 50 फीसदी से अधिक बढ़ाएगी। केजरीवाल ने लोगों से फिलहाल नए पेट्रोल और डीजल वाहन खरीदने से बचने का आग्रह किया। केजरीवाल का दावा- मोदी सरकार ला रही ई50- उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही ई0 और ई10 वाहनों में ई20 पेट्रोल डालकर उन्हें खराब कर चुकी है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार वैज्ञानिक अध्ययन का सम्मान किए बिना ई20 की तरह ई50 भी लागू करेगी। उन्होंने मालवीय को ई20 पेट्रोल लागू करने से पहले किए गए किसी भी अध्ययन को सार्वजनिक करने की चुनौती दी। अमित मालवीय ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्र ने ई20 से आगे मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने केजरीवाल के तर्क को तथ्यों के बजाय भय पर आधारित बताया। मालवीय ने कहा कि ई20 बिना वैज्ञानिक अध्ययन के लागू नहीं किया गया था। देश का इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम दो दशकों से अधिक समय से चरणबद्ध तरीके से चल रहा है।

ई20 पर आप-भाजपा आमने सामने- केजरीवाल ने सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार एटीएफ में भी इथेनॉल मिश्रण की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार माहौल शांत होने का इंतजार कर रही है। इसके बाद वह पेट्रोल में 50 फीसदी से अधिक इथेनॉल मिलावट करेगी। केजरीवाल ने कहा कि यदि आज कोई नया ई20 वाहन खरीदता है, तो सरकार कुछ दिनों बाद उसमें ई50 पेट्रोल डालकर उसे खराब कर देगी। उन्होंने सरकार के इस तरीके को विज्ञान और तकनीक का अनादर बताया।अमित मालवीय ने केजरीवाल पर फर्जी खबर फैलाने और अनावश्यक माहौल पैदा करने की पुरानी आदत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ई50 पर बहस उठाना केवल भय फैलाने की राजनीति है। मालवीय ने यह भी स्पष्ट किया कि ई20 कोई जल्दबाजी का निर्णय नहीं था। ई20 को लागू करने से पहले व्यापक परीक्षण और सभी संबंधित पक्षों के साथ परामर्श किया गया था।

अयोध्या से सपा का पहला चुनावी संदेश, पवन पांडेय का नाम लेकर अखिलेश ने दिए बड़े संकेत

अयोध्या से सपा ने अपना पहला चुनावी संदेश दे दिया है। पवन पांडेय का नाम लेकर अखिलेश ने बड़े संकेत दिए हैं। पवन 2012 में भगवा दुर्ग ढहाकर पहली बार विधायक बने थे। वह राम मंदिर समेत जनहित के मुद्दों पर लगातार मोर्चा संभालते रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की औपचारिक सरगर्मियां भले अभी तेज न हुई हों, लेकिन सपा ने अयोध्या से अपना पहला बड़ा चुनावी संदेश दे दिया है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंच से पूर्व मंत्री पवन पांडेय का नाम लिया। राजनीतिक हलकों में इसे महज एक चुनावी

टिप्पणी नहीं, बल्कि अयोध्या विधानसभा को लेकर पार्टी की रणनीति का सार्वजनिक संकेत माना जा रहा है। जनेश्वर मिश्र की जयंती पर लखनऊ पार्टी कार्यालय में बुधवार को कार्यक्रम आयोजित था। इसमें सपा प्रमुख ने मंच से बयान दिया कि अयोध्या से पवन पांडेय भारी मतों से जीतकर आएंगे। सपा ने अभी तक किसी भी विधानसभा सीट पर प्रत्याशियों की औपचारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित सीटों में शामिल अयोध्या का नाम लेकर पवन पांडेय के लिए जीत का भरोसा जताना कई मायनों में अहम माना जा रहा है। मूलरूप से पूरा ब्लॉक के कृष्णापुर निवासी तेज नारायण पांडेय पवन लंबे समय से जिले में सपा का सबसे प्रमुख चेहरा रहे हैं। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता लल्लू सिंह को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था। लगातार पांच बार विधायक रहे लल्लू सिंह की हार को उस समय भगवा राजनीति के बड़े झटके के रूप में देखा गया था। अखिलेश सरकार में उन्हें राज्यमंत्री भी बनाया गया। इसके बाद से पवन अयोध्या में सपा की राजनीति का केंद्रीय चेहरा बने हुए हैं। पवन का कद लगातार बढ़ा है। उन्हें अखिलेश यादव के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर वह टीवी चैनलों की बहसों में पार्टी का पक्ष रखते हैं। अयोध्या से जुड़े हर बड़े राजनीतिक और सामाजिक मुद्दे पर वह लगातार सक्रिय रहते हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में भी उन्होंने मजबूती से पक्ष रखा और भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए।

किस बात का डर?: राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम की नहीं मिली इजाजत, प्रियंका ने केंद्र पर साधा निशाना

प्रयागराज में 8 अगस्त को होने वाले राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम की अनुमति नही मिली है। इस पर प्रियंका गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि समझ नहीं आ रहा कि प्रशासन इस कार्यक्रम से आखिर किस बात से डर रहा है।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को प्रयागराज में छत्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए स्थल की अनुमति नहीं मिलने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि प्रशासन इस कार्यक्रम से किस बात से डर रहा है। क्या है पूरा मामला? - इससे पहले, कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छत्रों की गूंज कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी, जो 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित होने वाला था। केपी कॉलेज प्रबंधन ने शैक्षणिक चिंताओं और

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए अपने खेल मैदान के उपयोग के लिए पहले दी गई अनुमति को रद्द कर दिया।प्रयागराज नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को संबोधित एक पत्र में, कायस्थ पाठशाला के कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि यह निर्णय कॉलेज के प्रधानाध्यापक से मिली जानकारी के बाद और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 14 अगस्त, 2025 के आदेश के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।बंधन ने कहा कि अगर कार्यक्रम निर्धारित तिथि पर आयोजित किया जाता है तो दो स्कूलों के छात्र प्रभावित होंगे। उन्होंने यह चिंता भी व्यक्त की कि बारिश से बाहरी खेल मैदान को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे मरम्मत मुश्किल और समय लेने वाली हो जाएगी। पत्र में कहा गया,इसलिए, कार्यक्रम की तिथि इस प्रकार निर्धारित की जानी चाहिए जिससे विद्यालय की गतिविधियों में कोई बाधा न आए। उच्च न्यायालय के निर्णय और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, कृपया अपने कार्यक्रम को बरसात के मौसम के बाद, छुट्टियों के दौरान किसी तिथि पर आयोजित करें।

आवाज उठाने से रोक नहीं सकते: राहुल ने BJP पर लगाए आरोप;प्रयागराज में क्यों नहीं मिली कार्यक्रम की मंजूरी?

प्रयागराज में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम की अनुमति हाईकोर्ट के आदेश और जलभराव का हवाला देकर रद्द कर दी गई है। इसके बावजूद राहुल गांधी और कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी आठ अगस्त को हर हाल में प्रयागराज पहुंचकर छात्रों के साथ संवाद करेंगे।कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। आठ अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में होने वाले इस कार्यक्रम की मंजूरी आखिरी समय में रद्द कर दी गई। इसके बाद राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें छात्रों के हक की आवाज उठाने से कोई नहीं रोक सकता।राहुल गांधी आठ अगस्त को प्रयागराज में छात्रों के साथ

संवाद करने वाले थे। इस कार्यक्रम में पेपर लीक, फीस बढ़ोतरी, सीटों में कटौती और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी थी। लेकिन कार्यक्रम से पहले ही ट्रस्ट ने अनुमति वापस ले ली। कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 अगस्त 2025 के आदेश के अनुसार केपी ग्राउंड का इस्तेमाल सिर्फ खेल और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा बारिश के कारण मैदान में पानी भर गया है, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी हैं। ट्रस्ट का यह भी कहना है कि जिला मजिस्ट्रेट की अंतिम मंजूरी नहीं मिली थी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र लंबे समय से फीस बढ़ोतरी और सीटों में कटौती जैसे मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार छात्रों की समस्याएं सुनने के बजाय उन पर मुकदमे दर्ज कर रही है और उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। राहुल ने यह भी कहा कि सवाल पूछने वालों पर लाठीचार्ज होता है, विरोध करने वालों पर एफआईआर दर्ज होती है और अब छात्रों से संवाद का कार्यक्रम भी रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

संपादकीय Editorial

The "Saffron" Drama in Parliament

Parliament House is not a stage for drama or pretense. It is the supreme, sacred, dignified, and respectable platform of the country's republic. Indeed, our honorable MPs have questioned its dignity and image. Of course, MPs and political groups can protest and hold sit-ins within the Parliament complex, but they should consider whether such hypocrisy and charades are in the national interest, public interest, and numerous faiths. Whatever Pappu Yadav, an independent MP from Bihar (a Congress supporter), did within the Parliament complex was certainly anti-Sanatan. It was an insult to Lord Shri Ram. It was also a dramatic staging of false and hollow allegations. Pappu Yadav cannot even give Parliament House the symbol of the "National School of Drama." There is no evidence, allegation, or investigation team's conclusion that saints and sages committed theft or robbery of donations for the Ram Temple in Ayodhya. This issue deserves a thought-provoking, indicting debate in Parliament, forcing the Modi government and the BJP to answer. Pappu Yadav's impersonation of a saint and symbolic enactment of fund theft should not have occurred in Parliament. Millions of people in Purnia did not elect him for this reason. Seventy-six years have passed since the Constitution was enacted, and the 18th Lok Sabha is currently in office, yet we have not heard of such a disgraceful political drama, nor have we witnessed it in the past three decades. Truly, this theft and robbery at Lord Shri Ram's temple is the most despicable and despicable form of corruption. Political parties will still raise hue and cry when bulldozers are run over properties built with stolen money.

Nonetheless, the necessary action has been taken in this regard. The resignation of Champat Rai Bansal, the Trust's General Secretary, has been accepted, and a new General Secretary is being appointed. The police and investigation team have questioned and questioned those who are tainted. Pappu has called some responsible people "thieves," which is legally unacceptable. The investigation is still ongoing. The case has reached the Supreme Court, and the court has requested the latest details of the SIT report. Many tainted and corrupt figures are still in jail, and the police are conducting detailed interrogations. This crime within the Ram Temple is undoubtedly nothing less than a spiritual blow to a community of believers. If this crime hadn't been committed by some evildoers, it wouldn't have become an issue, Sanatan Dharma wouldn't have been insulted, and MPs like Pappu Yadav wouldn't have staged a drama in Parliament. But now it has been turned into a political, electoral issue. Several opposition figures, including Leader of the Opposition Rahul Gandhi, SP MP from Ayodhya-Faizabad, Awadhesh Prasad, and SP MP Dimple Yadav, were involved in Pappu Yadav's drama. Pappu was acting and pocketing the donation money. A dramatic act of donation theft was being enacted. His fellow MPs even beat him up symbolically. When Pappu Yadav tried to run away with the donation box, an attempt was made to snatch it from him. This drama undoubtedly angered some Hindu organizations, saints, and MPs. Saints and sages held processions in cities like Ayodhya, Prayagraj, and Lucknow, condemning Pappu Yadav's charade, and filing FIRs. Consequently, attackers entered Pappu Yadav's official residence and attacked the MP. Shoes and slippers were thrown at him, and a large knife was shown on TV channels. The MP claimed that the attackers had come to kill him. Had the public not been there, anything could have happened. However, the MP's supporters caught the attacker and beat him severely. However, the police have filed an FIR.

A Fearless Face Fighting Fanaticism

If fanaticism is to be fought, every form of backward thinking must be questioned. This selective silence and selective noise are the biggest causes of religious fanaticism and the violation of minority rights. Taslima Nasreen returned to Kolkata after 19 years. She questioned religious fanaticism and double standards. The writer spoke about the rights of minorities, especially Hindus. The outspoken writer Taslima Nasreen was finally able to return to Kolkata after 19 years. She had repeatedly expressed her desire to stay in Bengal, because as a Bangladeshi, she considered Bengal her second home. It is surprising that Taslima was asked to leave Bengal during the tenure of then Chief Minister Buddhadeb Bhattacharya. Buddhadeb was the leader of the Marxist Communist Party government, which claims to be the foremost in fighting communal forces. So why was Taslima removed from there, when who fought against the fundamentalists more than her? And what could be a greater punishment than having to leave Bangladesh overnight? A doctor by profession, but what was Taslima's fault as a writer?

She wrote books like Lajja and the two-part Dwikhandita. In Lajja, she described the events following the demolition of the Ayodhya structure, describing how minority Hindus in Bangladesh were targeted. They were attacked, hundreds of temples were destroyed, and murders were also committed. Writing about all this was considered a crime by the fundamentalists there. The government bowed to the fundamentalists. At that time, Khaleda Zia, the leader of the Bangladesh Nationalist Party, was in power. Khaleda was known for her anti-India stance. Some of Taslima's friends helped her escape, otherwise she might not be alive today.

In her autobiography, Dwikhandita, she also revealed her personal relationship with a prominent leftist writer from Bangladesh. This angered the writer so much that he joined the fundamentalists who wanted to kill Taslima for allegedly insulting Islam. It was shameful for a writer to act like this, but hardly anyone condemned the writer for taking revenge on Taslima by siding with those he had opposed all along. At that time, Taslima was no longer a writer, a woman, and she had no rights. Because she supported minorities, the Bengal government punished her for it. She was then forced to leave Kolkata and seek refuge in Delhi. Her challenges should be considered, as she has lived under constant security cover since 1994. She deserves praise for never wavering from her stance. Whenever she had the opportunity, she attacked fundamentalists. Once, when she went to attend an event in Hyderabad, she was attacked by AIMIM members. A few years ago, Salman Rushdie was similarly stabbed by a fanatic in America, losing an eye. In the past few decades, apart from Taslima and Rushdie, which other writer has faced so much hardship for their views? They are constantly on the run from fundamentalists. Those in our country who often double down in the name of protecting minorities never mention these two writers. Perhaps Taslima's crime is that she spoke out to protect the interests of our own minorities, who are targeted by fundamentalists. Because these so-called minorities are Hindus, it seems that no one, either abroad or in India, will take their side. Even those who speak out for them are immediately blacklisted. Recently, two poor Hindu workers at a brick kiln in Kulgam, Kashmir, were killed because they were Hindus, but not a single party working for the workers remembered them. Our generation has witnessed with our own eyes what happened to Hindus in Kashmir and Punjab. Sadly, we talk about forgetting religious discrimination, but we express our views very cautiously. That's why we shed tears for some, and there's silence when someone loses their life. After all, why should tears come when we know who died?

If we want to fight fanaticism, we must question every kind of backward thinking. This selective silence and selective noise is the biggest cause of religious fanaticism and the violation of minority rights. Hindus, Muslims, Sikhs, Christians—anyone who loses a life should be condemned. The loss of an innocent life is tragic, mourned, and worthy of condemnation. Why is it that there's no feeling of sorrow when Hindus are selectively killed? This one-sided thinking is also evident in most writers. Like politicians, they sometimes remain silent, sometimes make loud noise. Political parties have to contest elections, but what election do writers have to contest? They speak out on some incidents and remain silent on others. Taslima is not only a writer but also a woman, but everyone knows that even those who talk about women's rights kept her tragedy out of their discussions.

Uproar instead of debate

Opposition parties cannot be so naive as to not know that theft of donations at religious places is rampant, and that demanding the resignation of a minister will not solve this problem. Instead of debate, uproar is increasing in Parliament. Bills are being passed easily without discussion. The opposition is failing to ensure government accountability. The manner in which bills are being introduced and passed amid uproar in the Lok Sabha and Rajya Sabha reveals the declining standards of parliamentary debate. By creating uproar in Parliament, the opposition is harming not only itself but also the country, because the public is unable to understand the merits and demerits of the bills being passed without debate, and what they are supposed to achieve from them.

It is not unusual that the bill amending the anti-paper leak law was discussed in Parliament, but the opposition prevented such a discussion from taking place on many other bills. The opposition is busy creating uproar, while the government is busy getting the bills passed in the Lok Sabha and Rajya Sabha. By creating a ruckus in Parliament instead of engaging in discussion, the opposition is, in a way, making the ruling party's job easier.

It is losing the opportunity to hold the government accountable. After all, what could be more convenient for any government than not being questioned about public issues and the provisions of important bills? When the opposition should be concerned that the government is easily completing its legislative work, it is happy to create a ruckus.

This is not only the height of negative politics but also a shirking of its parliamentary responsibilities. It seems that the opposition parties have concluded that creating a ruckus is better than engaging in meaningful debate on any issue. This is, in a way, a disrespect for Parliament.

The opposition also seems to have concluded that by demanding the resignation of a minister on every issue, it is successfully demonstrating its seriousness. The truth is that this is an irresponsible attitude, because Parliament's responsibility is to discuss matters of national importance and provide direction to the country.

Parliament exists to discuss matters of public interest and to compel the government to engage in debate if it appears to be avoiding any issue.

For the past few days, the opposition has been demanding the Home Minister's resignation over the theft of offerings at the Ram Temple, despite knowing that they have nothing to do with the matter.

Opposition parties cannot be so naive as to not know that theft of offerings at religious places is rampant and that demanding the resignation of a minister will not solve this problem. Yet, they are demanding the Home Minister's resignation over the Ram Temple theft. If tomorrow a case of theft of offerings comes to light at a monastery, temple, church, mosque, etc., will they again demand the Home Minister's resignation?

Parliament Plagued by Deadlock

Talks between Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju and Rahul Gandhi to break the ongoing impasse in Parliament failed, raising the possibility that the Monsoon Session will end in uproar. Talks between Kiren Rijiju and Rahul Gandhi failed. The deadlock in Parliament persists due to the opposition's conditions. The passage of bills without discussion diminished dignity. Negotiations between Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju and Leader of the Opposition Rahul Gandhi, aimed at breaking the impasse in Parliament and reaching consensus on bills related to foreign donations and delimitation, failed to yield any concrete results, raising the possibility that the Monsoon Session will end in uproar. Rahul Gandhi's condition is that Parliament cannot proceed until Home Minister Amit Shah makes a statement on the violence during the Cockroach Janata Party's Parliament March and the House discusses the theft of offerings at the Ram Temple. It's not known whether this will happen on these two issues, but it's not surprising that when the situation arises, the opposition puts the government in the dock and walks out of the House, refusing to even listen to the government's side. It's impossible to ignore that during the debate on the bill amending the anti-paper leak law, the opposition, and especially Rahul Gandhi, spoke a lot, but didn't say a word about this bill. Other opposition leaders have similarly taken a similar stance. This isn't the first time the opposition has insisted on highlighting issues that surfaced for one reason or another before the parliamentary session. It's been observed for a long time that certain issues emerge before the start of a parliamentary session, or are deliberately brought up to provide the opposition with an opportunity to create a ruckus in Parliament. This situation indicates that the opposition neither prepares nor offers any concrete suggestions on the proposed bills or other issues of national importance. It's a fact that in this session of Parliament, no other bill was discussed except the bill amending the anti-paper leak law. Many bills were passed without any discussion amid opposition sloganeering. The problem is that even those bills that are discussed at all are superficial and meaningless. It's no secret that the opposition blindly opposes every bill and every decision of the government.

कलेक्ट्रेट स्थित जिला स्तरीय राजस्व पुस्तकालय का होगा सौंदर्यीकरण एवं डिजिटलीकरण, 150 वर्ष से अधिक पुराने अभिलेख होंगे संरक्षित

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला स्तरीय राजस्व पुस्तकालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय में संरक्षित पुराने एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया तथा उनकी ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक उपयोगिता के संबंध में राजस्व अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि राजस्व पुस्तकालय में लगभग 150 वर्ष से अधिक पुराने महत्वपूर्ण अभिलेखीय रिकॉर्ड सुरक्षित हैं। इन अभिलेखों में तत्कालीन राजस्व व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, भूमि अभिलेखों के विकासक्रम तथा शासन-प्रशासन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां संरक्षित हैं, जो वर्तमान राजस्व प्रशासन के लिए भी अत्यंत उपयोगी एवं संदर्भ सामग्री का कार्य करती हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इन बहुमूल्य अभिलेखों के दीर्घकालीन संरक्षण एवं सुगम उपयोग के उद्देश्य से पुस्तकालय का सौंदर्यीकरण एवं समस्त अभिलेखों का चरणबद्ध डिजिटलीकरण कराया जाएगा। इससे ऐतिहासिक दस्तावेज सुरक्षित रहेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर उनका त्वरित एवं सुविधाजनक उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में अध्ययन एवं संदर्भ कार्य के लिए आवश्यक सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि इसमें बैठकर राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी राजस्व कानूनों, नियमों, ऐतिहासिक अभिलेखों तथा राजस्व प्रशासन की बारीकियों का अध्ययन कर सकेंगे, जिससे उनके कार्यों की गुणवत्ता एवं दक्षता में और अधिक वृद्धि होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व अभिलेख केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि जनपद की ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक विरासत भी हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन एवं डिजिटलीकरण भविष्य की पीढ़ियों तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

01 सितंबर से लागू होंगी अचल संपत्ति की पुनरीक्षित वार्षिक दरें, 15 अगस्त तक दर्ज कराएं आपत्तियां एवं सुझाव

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्रीमती ममता मालवीय ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 (यथा संशोधित) के अंतर्गत जनपद मुरादाबाद की अचल सम्पत्तियों की मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित वार्षिक दरें तैयार कर ली गई है। यह संशोधित मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित वार्षिक दरें 01 सितंबर, 2026 से प्रभावी होंगी।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित मूल्यांकन सूची तहसीलवार तैयार की गई है, जिसे जनसामान्य के अवलोकन हेतु अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कार्यालय, सहायक महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय, संबंधित उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा तहसील कार्यालयों में उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्टों पर भी सूची प्रदर्शित कर दी गई है, ताकि आमजन इसका अवलोकन कर सकें। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में कोई आपत्ति अथवा सुझाव प्रस्तुत करना हो, तो वह अपने साक्ष्यों सहित संबंधित कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 06 अगस्त, 2026 से 15 अगस्त, 2026 की सायं 5:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा।उन्होंने बताया कि प्राप्त सभी आपत्तियों एवं सुझावों का परीक्षण एवं निस्तारण जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 17 अगस्त, 2026 को पूर्वाह्न 12:00 बजे किया जाएगा। इसके उपरांत आवश्यक संशोधन करते हुए अंतिम मूल्यांकन सूची तैयार की जाएगी, जिसे 01 सितंबर, 2026 से जनपद के समस्त उप-निबंधक कार्यालयों में प्रभावी रूप से लागू कर दिया जाएगा।सहायक निदेशक मत्स्य श्री राजेलाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष-2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की योजनाओं के अंतर्गत जनसामान्य को आनलाइन आवेदन करने की तिथि 05 अगस्त 2026 से बढ़ाकर 10 अगस्त 2026 तक कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अन्तर्गत मोपेड विद आइस बाक्स परियोजना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना एवं विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजनाएं संचालित है। आवेदक विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार आवेदन पृथक-पृथक करने होंगे। योजना के अन्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण को विभागीय वेबसाइट पर देखा जा सकता है। योजनाओं में यदि भविष्य में कोई संशोधन होता है तो संशोधित प्रावधान लागू होंगे। योजना में पूर्व के वर्षो में निरस्त/प्रतिक्षारत आवेदन वाले आवेदक पुनः आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त योजना के सम्बन्ध में कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, कक्ष सं0-एस-32, विकास भवन, मुरादाबाद से किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

बचाओ-बचाओ का शोर, कार पर भगवा झंडा... मुरादाबाद में 5 घंटे चला पुलिस का हाई-वोल्टेज ड्रामा

मुरादाबाद में एक कार से बचाओ-बचाओ की आवाज आने पर पुलिस ने पांच घंटे तक पीछा किया। भगवा झंडा लगी कार सिविल लाइंस क्षेत्र में लावारिस मिली, जिसमें सवार युवक फरार हो गए और पुलिस जांच कर रही है।कांठ रोड पर दौड़ रही एक कार के अंदर से एक युवक ने बचाओ-बचाओ का शोर मचा दिया। राहगीरों ने आवाज सुन पुलिस को जानकारी दी। छजलैट पुलिस ने कार का पीछा करना शुरू कर दिया। जानकारी के बाद जिले की सभी सड़कों पर चेकिंग शुरू कर दी। करीब पांच घंटे की तलाश के बाद पुलिस ने ब्रेजा कार को सिविल लाइंस क्षेत्र से बरामद कर लिया, लेकिन कार सवार भाग गए। कार पर भगवा झंडा लगा था। कार सवार युवक कांवड़िये बनकर चल रहे थे। पुलिस को युवक कई जगह फुटेज में दिखे है। युवक कटघर क्षेत्र के पीतल बस्ती के बताए जा रहे हैं।बुधवार को सुबह करीब दस बजे एक ब्रेजा कार शेरुआ चौराहे से कांठ की तरफ को जा रही थी। कार में चार से पांच युवक थे। उनमें से एक युवक बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रहा था। कार के अंदर छीना झपटी भी हो रही थी। कार के बराबर में एक बाइक सवार चल रहा था। यह देख उन्होंने मामले की जानकारी छजलैट क्षेत्र के एक सिपाही को दी। सिपाही ने कार को रोकने का प्रयास किया तो उन्हों छजलैट से कार को पीछे मोड़ दिया। सिपाही ने थानाध्यक्ष को मामले की जानकारी देने के बाद कार का पीछा करना शुरू कर दिया। मामला अधिकारियों तक पहुंच गया। इसके बाद पूरे जिले में चेकिंग शुरू कर दिया। हाईवे से लेकर लिंक मार्ग तक पुलिस चेकिंग करने लगी। पुलिस चेकिंग के साथ कांठ रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही थी। इसी बीच पुलिस पीछा करते हुए सिविल लाइंस क्षेत्र में आ गई। युवक कार को आशियाना में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर कार स्वामी को हिरासत में ले लिया, लेकिन उन्होंने बताया कि मैंने कार पीतल बस्ती निवासी एक व्यक्ति को बेच दी थी। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची तो वह हाथ नहीं आया। पुलिस ने अन्य स्थानों की फुटेज निकाली तो अगवानपुर के पास में युवक कार पर लगे भगवा झंडे को उतारते हुए दिख गए। अब पुलिस उनकी तलाश में लगी है। कुछ लोगों को हिरासत में ले रखा है, लेकिन अभी तक यह स्थिति स्पष्ट नहीं हुई कि युवक किसी का अपहरण करके ले जा रहे थे या नहीं।अभी तक की जांच में अपहरण की बात सामने नहीं आई है। कार को बरामद कर लिया गया है। कार सवार युवकों की तलाश की जा रही है। जो युवक कार के अंदर से शोर मचा रहा था वह भी उन युवकों के साथ आराम से जाता हुआ कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दिखा है। युवकों के मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। - कुंवर आकाश सिंह, एसपी देहात

संक्षिप्त समाचार

पापा के डिजिटल लॉक ने खोला बेटी का राज... प्रेमी को अमीर बनाने घर में ही डलवाई थी डकैती, 9 पर चार्जशीट

प्रेमी को अमीर बनाने के लिए अपने ही घर में डकैती डलवाने वाली अरीबा और उसके प्रेमी समेत नौ आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। अरीबा ने पिता के घर का डिजिटल लॉक खोलकर वारदात को अंजाम दिया था, जिसमें पुलिस ने 99.70 लाख रुपये बरामद कि?ए।शादी करने से पहले पिता की दौलत से प्रेमी अरशद को रईस बनाने के लिए अपने ही घर में डकैती डलवाने वाली अरीबा, उसके प्रेमी समेत नौ आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने बुधवार को चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने अपनी चार्जशीट में अरीबा और उसके प्रेमी को मुख्य आरोपित बनाया है। अरीबा के पिता, भाई, बहन, मां समेत 45 लोगों को गवाह बनाया है। विवेचक ने तीन स्थानों से ली गई सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की सीडी भी चार्जशीट में शामिल है। जिसमें आरोपित घटना को अंजाम देने के बाद भागते हुए दिख रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने 99.70 लाख रुपये आरोपितों से बरामद किए थे। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त नौ तमंचे, दो कार और डीवीआर भी बरामद की थी।दस मई की रात बंगला गांव स्थित अकबर कंपाउंड निवासी कारोबारी मोहम्मद इमरान के घर बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। बदमाश घर से एक करोड़ 20 लाख रुपये की नकदी, छह तोला सोना ले गए थे। इस चर्चित डकैती में पुलिस ने तीन दिन बाद 13 मई को कारोबारी की बेटी अरीबा, उसके प्रेमी अमरोहा के नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव मकदूमपुर निवासी अरशद वारसी, मझोला के मनोहरपुर निवासी कुलदीप, रवि और निक्की समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का राजफाश किया था। राजफाश भी चौंकाने वाला निकला। कारोबारी की बेटी अरीबा ने ही अंदर से मकान का डिजिटल लॉक खोल कर प्रेमी अरशद और उसके साथियों को घर के भीतर बुलाकर वारदात करवाई थी। 17 मई को पुलिस ने अमरोहा जिले के गजरौला के पपसरा खादर निवासी नदीम, तिगरिया भूड़ निवासी सतेंद्र उर्फ बिट्टू और आदित्य को गिरफ्तार किया था। लेकिन दोनों ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। 12 जून को पुलिस ने दोनों को रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की और पाकबड़ा के पास एक खंडहर में छिपाकर रखे 29.40 लाख रुपये बरामद किए थे। सभी नौ आरोपित जेल में हैं। विवेचक ने मोबाइल काल डिटेल, अन्य साक्ष्यों और बयानों से सामने आया है कि कारोबारी की बेटी और उसके प्रेमी अरशद के बीच आठ साल पुराने संबंध थे।

मुरादाबाद अग्निकांड: 3 परिवार बेघर, अफसर रिश्तेदार पर बचाने का आरोप; 8 बिंदुओं पर नोटिस से मचा हड़कंप

मुरादाबाद की मोमबत्ती फैक्ट्री में आग लगने के चार दिन बाद भी मलबा नहीं हटा, जिससे तीन परिवार बेघर हैं और घरों में नहीं जा पा रहे हैं। फैक्ट्री मालिक पर एक वरिष्ठ अधिकारी का रिश्तेदार होने के कारण कार्रवाई में देरी का आरोप है, जबकि अग्निशमन विभाग ने आठ बिंदुओं पर नोटिस जारी किया है। कोतवाली क्षेत्र की मोमबत्ती फैक्ट्री की आग की लपटें भले ही शांत हो गई है, लेकिन चार दिन बाद भी उसकी मार मुहल्ले के लोग झेल रहे हैं। अग्निकांड के बाद अभी तक मलबा नहीं हटाया जा सकता है। फैक्ट्री के दीवार गिरने के बाद उसका मलबा शिवनगर कालोनी के तीन घरों के सामने गली में पड़ा है। लोगों का कहना है कि न तो फैक्ट्री मालिक और ना ही नगर निगम मलबा हटवा रहा है। इसके चलते लोग अपने घरों में नहीं जा पा रहे हैं। लोगों में फैक्ट्री मालिक के साथ ही नगर निगम के खिलाफ रोष पनप रहा है। उधर चार दिन बाद भी अभी तक फैक्ट्री स्वामी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं है। लोगों का कहना है कि फैक्ट्री स्वामी का एक वरिष्ठ अधिकारी रिश्तेदार है। इसलिए कार्रवाई नहीं हो रही है।बुधबाजार क्षेत्र के कृष्णा कालोनी निवासी अभिषेक अग्रवाल की उनके आवास से सटी हुई मोमबत्ती की फैक्ट्री और गोदाम है। फैक्ट्री के अगले हिस्से में शोरूम भी बना रखा था, जिसका गेट कृष्णा कालोनी की ओर खुलता है। जबकि फैक्ट्री के पीछे सागर सराय मुहल्ले की शिवनगर कालोनी के लोगों का मकान है।शुक्रवार देर रात करीब एक बजे फैक्ट्री में भीषण आग लग गई थी। करीब दस घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया था। इतना ही नहीं अग्निकांड के बाद से छह से सात परिवारों की मुश्किलें खत्म नहीं हो रही है। फैक्ट्री की दीवार का मलबा गली में पड़ा होने से लोग अपने घर के अंदर भी नहीं जा पा रहे हैं। शिवनगर कालोनी निवासी सागर सक्सेना, रेलवे कर्मचारी शंभूशरण गुप्ता, स्टील व्यापारी रामवतार गुप्ता का मकान भी चपेट में आकर जला है। इन तीनों के घर के ठीक सामने गली में मलबा पड़ा हुआ है। सागर सक्सेना ने कहा कि इसके चतले तीनों परिवार के लोग फिलहाल अपने घर में नहीं रह रहे हैं। मलबा पड़ा होने के चलते मरम्मत कार्य भी नहीं करा पा रहे हैं। शिवनगर कालोनी निवासी लोगों ने कहा कि वह लोग खुद से मलबा हटवाने का प्रयास किए तो फैक्ट्री मालिक खुद हटवाने की बात कही। उधर सागर सक्सेना ने इस मामले का शिकायती पत्र पुलिस को दिया था, लेकिन चार दिन बाद भी अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पुलिस का कहना है कि एमडीए और अग्निशमन विभाग की रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। जबकि कुछ लोगों का मानना है कि फैक्ट्री स्वामी का एक रिश्तेदार वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है। जिसके चलते अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उधर अग्निशमन विभाग ने आठ बिंदुओं पर फैक्ट्री स्वामी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब सात दिनों के अंदर मांगा है। अग्निशमन अधिकारी डॉ. राजीव कुमार पांडेय ने बताया कि फैक्ट्री स्वामी को नोटिस भेजकर सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दो कॉम्प्लेक्स और एक मार्केट में नहीं मिले अग्निशमन यंत्र, नोटिस जारी- मोमबत्ती फैक्ट्री में अग्निकांड के बाद एक बार फिर अग्निशमन विभाग अलर्ट हुआ है। मंगलवार को बुधबाजार स्थित प्रधान और कुमार काम्प्लेक्स के अलावा सुपर मार्केट, दिल्ली रोड स्थित स्पार्स बार, चौमुखा पुल स्थित बी मार्ब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां पर अग्निशमन यंत्र नहीं मिले। इसके बाद इन सभी को अग्निशमन विभाग ने नोटिस जारी किया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि सभी को नोटिस जारी कर सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है।

मौत के मुंह से खींच लाए जिंदगी; डिलारी में तेंदुए ने किसान की गर्दन दबोची, 3 दोस्तों ने दरांती से यूं बचाई जान

डिलारी के मलकपुर सेमली गांव में तेंदुए ने खेत में चारा काट रहे किसान बाबू पर हमला कर दिया और उसे घसीटने लगा। साथी समीर, शमशेर और रईस ने दरांती से तेंदुए का मुकाबला कर घायल किसान की जान बचाई, जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।समीर, शमशेर और रईस के दरांती से हमला करके मुकाबला करने पर भागा ठाकुरद्वारा और डिलारी के रामगंगा खादर क्षेत्र में तेंदुए का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लालापुर पीपलसाना में महिला संतोष देवी की जान लेने के दो दिन बाद बुधवार सुबह मलकपुर सेमली गांव में तेंदुए ने खेत में चारा काट रहे किसान पर हमला कर दिया। तेंदुआ किसान को घसीटकर झाड़ियों की ओर ले जाने लगा, लेकिन साथ मौजूद तीन दोस्तों ने दरांती लेकर उसका मुकाबला किया और घायल किसान की जान बचा ली। घायल का जिला अस्पताल में इलाज हो रहा है। गांव मलकपुर सेमली निवासी किसान बाबू बुधवार सुबह करीब पौने सात बजे अपने साथी समीर, शमशेर और रईस के साथ रामगंगा खादर स्थित किसान शमीम अहमद के गन्ने के खेत में पशुओं के लिए हरा चारा लेने गया था। सभी लोग खेत में पत्तियां काट रहे थे।इसी दौरान झाड़ियों में छिपा तेंदुआ अचानक निकला और बाबू की गर्दन व कंधे पर पंजों से हमला कर उसे जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद वह बाबू को घसीटते हुए खेत के भीतर ले जाने लगा। बाबू की चीख-पुकार सुनकर उसके साथियों ने जान की परवाह किए बिना हाथों में मौजूद दरांती लेकर तेंदुए पर हमला बोल दिया। कुछ देर तक तेंदुए और ग्रामीणों के बीच संघर्ष चलता रहा। आखिरकार तीनों के लगातार वार और शोर-शराबे से तेंदुआ बाबू को छोड़कर गन्ने और झाड़ियों की ओर भाग निकला।इसके बाद घायल बाबू को साथी गांव लेकर पहुंचे। खून से लथपथ बाबू को देखकर पत्नी इशरत जहां और अन्य स्वजन घबरा गए। खेत गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर होने के कारण घायल को घर तक लाने में समय लगा।

करीब एक घंटे बाद पहुंची 108 एंबुलेंस से बाबू को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डिलारी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना स्थल पर वन विभाग की टीम भी पहुंची। टीम ने घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र में पिंजरा लगाने के साथ तेंदुए की तलाश शुरू कर दी है।

हालांकि लगातार हमलों के बावजूद तेंदुए के पकड़ में नहीं आने से ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्राम प्रधान अशरफ अली ने बताया कि रामगंगा खादर के गांवों में कई वर्षों से तेंदुओं की मौजूदगी बनी हुई है। अब तक दर्जनों लोगों पर हमले हो चुके हैं और सैकड़ों पालतू पशु तेंदुओं का शिकार बन चुके हैं।

उनका कहना है कि ग्रामीण लगातार प्रभावी कार्रवाई की मांग करते रहे हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। लगातार दूसरी बड़ी घटना के बाद खादर क्षेत्र के गांवों में भय का माहौल है। ग्रामीण रातभर टोली बनाकर पहरा दे रहे हैं। महिलाएं और बुजुर्ग अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं।

कई बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है, जबकि कुछ परिवार सुरक्षा के डर से रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने, गश्त बढ़ाने तथा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। डीएफओ डा. विनय कुमार सिंह का कहना है कि मलकपुर सेमली गांव में पिंजरा लगवा दिया है। तेंदुए की तलाश के लिए टीम भी लगी है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पति की आखिरी इच्छा को पत्नी ने किया साकार, खेत में लगाए आम के पौधे

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम /न्यूरिया (पीलीभीत): पति-पत्नी का रिश्ता केवल जीवनभर का साथ ही नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सपनों को पूरा करने का भी होता है। इसका भावुक उदाहरण तब देखने को मिला जब जमीलान ने अपने दिवंगत पति इस्माइल की आखिरी इच्छा को पूरा करने का संकल्प लिया।

जानकारी के अनुसार, इस्माइल का सपना था कि उनके खेत में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएँ, ताकि आने वाली पीढ़ियों को हरियाली, फल और स्वच्छ वातावरण मिल सके। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी जमीलान ने इस इच्छा को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए खेत गाटा संख्या 1434/1015 उत्तर मुस्तकिल बाहर टाउन एरिया जमीन पर में आम के पौधे लगाए।

ग्रामीणों ने जमीलान के इस कदम की सराहना करते हुए इसे अपने दिवंगत पति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। उनका कहना है कि पेड़ लगाकर न केवल उन्होंने अपने पति की अंतिम इच्छा पूरी की है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी प्रेरणादायक संदेश दिया है।

जमीलान का यह कार्य समाज के लिए एक मिसाल है कि अपनों की याद को केवल शब्दों से नहीं, बल्कि अच्छे कार्यों के माध्यम से भी हमेशा जीवित रखा जा सकता है।

समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने के लिये किया गठन

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / मुरादाबाद : समाजवादी युवजन सभा मुरादाबाद की जिला कार्यकारिणी घोषित, जिलाध्यक्ष अक्षय भटनागर ने युवाओं को सौंपी कमान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार और युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरि की संस्तुति पर समाजवादी युवजन सभा मुरादाबाद की नई जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। जिला अध्यक्ष अक्षय भटनागर ने सिविल लाइंस स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित एक बैठक में नई कार्यकारिणी की सूची जारी की।

सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का रखा गया ध्यानकार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जिलाध्यक्ष अक्षय भटनागर ने बताया कि नई टीम में मुरादाबाद जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों और ग्रामीण व शहरी इलाकों के ऊर्जावान युवाओं को तरजीह दी गई है। पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और सर्वसमाज के फॉर्मूले को ध्यान में रखते हुए निष्ठावान कार्यकर्ताओं को आगे लाया गया है।बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का संकल्प घोषणा के दौरान मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष जयवीर यादव एवं जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव की उपस्थिति में युवजन सभा के पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपे गए जिलाध्यक्ष अक्षय भटनागर, जिला उपाध्यक्ष नितिन चौधरी, शाहिद हुसैन, आलम पाशा प्रमुख महासचिव जावेद आलम महासचिव वकार अहमद, कोषाध्यक्ष विवेक भटनागर, मिडिया प्रभारी अभि भटनागर सचिव पवन शर्मा, प्रतीक चौधरी अब्दुल कादिर मोहित कुमार बाल्मीकि, ओमाशंकर,अमित कुमार, विनय चंद्र, अमित प्रजापति, आकाश कश्यप आदि प्रमुख रूप से 31युवाओं की कार्यकारिणी घोषित की।

मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष जयवीर सिँह यादव ने कहा यह नई कार्यकारिणी केवल एक टीम नहीं, बल्कि मुरादाबाद में युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली फौज है।

हमारा एकमात्र लक्ष्य आगामी चुनावों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के हाथों को मजबूत करना और बूथ स्तर पर पार्टी की नीतियों को पहुंचाना है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से छेड़छाड़ की कोशिश, मारपीट कर दबाया गला, दी जान से मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के गांव सतुइया पट्टी निवासी महिला मीरा ने अपने ही परिवार के कुछ लोगो ने घर मे घुसकर मारपीट करने, गला दबाकर जान से मारने का प्रयास करने तथा अपनी नाबालिग पुत्री के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि थाने मे शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नही की गई। एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। महिला की तहरीर के अनुसार परिवार के रमेश, सोनी, परशुराम, अतुल, तुलसी, लौंग श्री के बच्चे उसके घर मे घुसकर शरारत करते हुए सामान का नुकसान करते थे। जब बच्चों को घर मे आने से रोका तो आरोपी रंजिश मानने लगे और आए दिन गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि 31 जुलाई को दोपहर करीब दो बजे जब उसका पति काम पर गया हुआ था तभी आरोपी एकजुट होकर उसके घर मे घुस आए और घर से खींचकर सड़क पर गिराकर लात-घूंसों से मारपीट की। साथ ही उसकी गर्दन पर पैर रखकर गला दबाने का प्रयास किया। घटना के दौरान उसकी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ एक आरोपी परशुराम ने घर मे घुसकर नाबालिग के कपड़े उतारने का प्रयास किया। मां-बेटी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। पीड़िता का कहना है कि घटना का वीडियो उसके मोबाइल फोन मे सुरक्षित है। उसका आरोप है कि घटना के बाद से वह लगातार थाना फतेहगंज पश्चिमी के चक्कर लगा रही है लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नही हुई। साथ ही आरोपी प्रशासनिक पहुंच का हवाला देकर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे है। महिला ने एसएसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही की मांग की। इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश गंगवार हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बरेली जिले से एक बड़ा सियासी झटका लगा है। नवाबगंज विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश गंगवार ने अपने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय कार्यालय (24 अकबर रोड) पहुंचकर उन्होंने विधिवत रूप से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस पूरी ज्वाइनिंग का नेतृत्व बरेली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने किया। प्रधानों और बीडीसी सदस्यों का भी मिला साथ रमेश गंगवार के साथ कांग्रेस में शामिल होने वाले समर्थकों में बड़ी संख्या में नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य और भाजपा के कई जमीनी कार्यकर्ता शामिल रहे। इन सभी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर और यूपी कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. के.बी. त्रिपाठी (गुरु जी) के समक्ष कांग्रेस का हाथ मजबूत करने का संकल्प लिया।

पीतल उद्योग व दस्तकारों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री को भेजा खुला पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / मुरादाबाद, 6 अगस्त। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष हाजी तालिब अंसारी ने मुरादाबाद के विश्वविख्यात पीतल उद्योग और उससे जुड़े लाखों दस्तकारों, कारीगरों एवं कारोबारियों की गंभीर समस्याओं को लेकर माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार के नाम एक खुला पत्र जारी किया है। पत्र में उन्होंने बढ़ती महंगाई, धातुओं की लगातार बढ़ती कीमतों तथा निर्यात और घरेलू कारोबार में आई मंदी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। हाजी तालिब अंसारी ने कहा कि मुरादाबाद का पीतल उद्योग आज अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। छोटे-छोटे कारखानों और घरों में दस्तकारी कर जीवनयापन करने वाले लाखों मजदूर, कारीगर और छोटे उद्यमी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से भी कम समय में पीतल, तांबा, जिंक और एल्युमिनियम जैसी धातुओं के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। वर्तमान में पीतल का भाव लगभग ?900 प्रति किलोग्राम, तांबा ?1,400 प्रति किलोग्राम तथा जिंक ?400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है, जिससे उद्योग की लागत में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण होमवेयर और पूजा सामग्री सहित अन्य उत्पाद महंगे हो गए हैं, जिससे घरेलू और विदेशी बाजारों में मांग प्रभावित हुई है तथा बिक्री में लगातार गिरावट आ रही है। इसका सीधा असर उद्योग से जुड़े लाखों परिवारों की आजीविका पर पड़ रहा है। हाजी तालिब अंसारी ने अपने खुले पत्र में प्रधानमंत्री से मांग की है कि धातुओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं तथा पीतल उद्योग और उससे जुड़े दस्तकारों, कारीगरों एवं छोटे उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज, करों में राहत और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि इस ऐतिहासिक उद्योग को बचाया जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार इस गंभीर विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे मुरादाबाद सहित देशभर के लाखों दस्तकारों और छोटे उद्योगों को राहत मिल सकेगी।

बरेली डीएम ने 9 अफसरों की सैलरी रोकी, 26 को दिया नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है. जुलाई 2026 में जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण के बाद मिले फीडबैक की समीक्षा में कई विभागों का प्रदर्शन बेहद खराब मिला। इसके बाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 अधिकारियों का वेतन रोक दिया है।

इसके अलावा, डीएम ने 26 अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण की मांगा है। डीएम अविनाश सिंह ने साफ कहा है कि जनता की शिकायतों को सिर्फ कागजों में निपटाने का तरीका अब नहीं चलेगा और हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान होना चाहिए। जिन अधिकारियों का वेतना रोका गया है, उनका संतुष्टि फीडबैक शून्य रहा।

जिनके वेतन रोके गए उन अफसरों में अधिशासी अभियंता ग्रामीण विद्युत प्रथम, चकबंदी अधिकारी फरीदपुर, औषधि निरीक्षक खाद्य सुरक्षा प्रशासन, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, BEO आलमपुर जाफराबाद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम, प्रधानाचार्य प्राविधिक शिक्षा, बाल विकास परियोजना अधिकारी रामनगर और सब रजिस्ट्रार मीरगंज शामिल हैं।

26 अफसरों को नोटिस, जवाब तलब किया गया इसके अलावा जिन अधिकारियों का संतुष्टि प्रतिशत 25 से 60 फीसदी के बीच रहा, उनसे कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। इनमें सहायक आयुक्त खाद्य-2, जिला आबकारी अधिकारी, जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कई तहसीलदार, परियोजना अधिकारी नेडा, प्रभारी चिकित्साधिकारी, चकबंदी अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, पंचायत राज विभाग के अधिकारी, विद्युत, सिंचाई, कृषि, शिक्षा और विकास विभाग के कई अधिकारी शामिल हैं।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने कहा कि केवल औपचारिक कार्रवाई दिखाकर शिकायत बंद करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी उतनी ही जरूरी है।

जनहित पहली प्राथमिकता, कानून व्यवस्था पर सख्ती- नवागत मंडलायुक्त शंभू कुमार का बड़ा संदेश

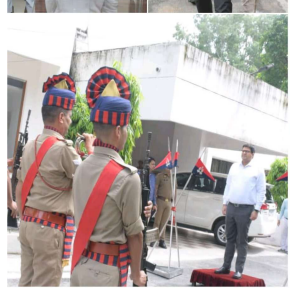

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली मंडल को नया प्रशासनिक नेतृत्व मिल गया है। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार वर्ष 2010 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शंभू कुमार ने देर रात्रि बरेली मंडल के नए मंडलायुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इससे पहले शंभू कुमार पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में प्रबंध निदेशक के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। अपने प्रशासनिक अनुभव और कुशल कार्यशैली के लिए पहचान रखने वाले शंभू कुमार शासन स्तर के साथ-साथ विभिन्न जनपदों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद मंडलायुक्त शंभू कुमार ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने कानून एवं शांति व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का ऐलान करते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा और सुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

बीडीए उपाध्यक्ष ने रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली का किया निरीक्षण, ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की दी चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजनाओं का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। गुणवत्ता से समझौता करने वालों को सख्त हिदायत देते हुए उन्होंने कहा कि लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इन सुविधाओं का किया गया गहन परीक्षण-निरीक्षण के दौरान योजनाओं में मौजूद बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता परखी गई। इनमें मुख्य रूप से शामिल रहे- सड़कें, नालियां, सीवर और ड्रेनेज सिस्टम। पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और 33 केवी विद्युत उपकेंद्र। पार्क, सार्वजनिक भवन, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, लाइब्रेरी और कन्वेंशन हॉल। उपाध्यक्ष ने कहा कि जहां भी तकनीकी खामियां या रखरखाव की कमी पाई गई है, वहां के संबंधित अधिकारी तत्काल और समयबद्ध तरीके से सुधारात्मक कदम उठाएं। 2 साल की डिफेक्ट लाइबिलिटी- अपने खर्च पर सुधारें कमियां- उपाध्यक्ष महोदया ने ठेकेदारों को कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया कि प्राधिकरण द्वारा कराए गए सभी निर्माण कार्य 2 वर्ष की डिफेक्ट लाइबिलिटी अवधि के दायरे में आते हैं। अगर इस अवधि में किसी भी प्रकार का धंसाव, टूट-फूट, दरार, रिसाव या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है, तो ठेकेदार को अपने खर्च पर इसे तुरंत ठीक कराना होगा। उन्होंने चेतावनी दी

कि अगर सुधार कार्य में विलंब या लापरवाही हुई, तो ठेकेदार के खिलाफ नोटिस जारी कर सुरक्षा निधि जब्त करने, आर्थिक दंड लगाने, ब्लैकलिस्ट करने और अनुबंध खत्म करने जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।भटकना नहीं पड़ेगा- चौराहों पर लगेंगे दिशा-सूचक बोर्ड- योजनाओं में रहने वाले आवंटियों और वहां आने वाले लोगों (आगंतुकों) की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम फैसला लिया गया। रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली के विभिन्न सेक्टरों, प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जल्द ही दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। इससे लोगों को अपने प्लॉट, सेक्टर और रास्तों की पहचान करने में आसानी होगी और आवागमन सुगम व सुरक्षित बनेगा। उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि बीडीए का लक्ष्य सिर्फ उच्च गुणवत्ता वाले विकास कार्य कराना ही नहीं है, बल्कि आवंटियों और नागरिकों को आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतरीन आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराना भी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिहाली खद्दर, वि.ख. डिलारी (मुरादाबाद)

पत्रांक: मीमो/ग्रा.पं./मनरेगा/ग्राम निधि व केन्द्रीय वित्त 2026-27 दिनांक 07.08.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खण्ड डिलारी की ग्राम पंचायत सिहाली खद्दर में पंचायती राज अधिनियम एवं नियमावली 1947 (यथा संसोधित 1994) के नियम संख्या 157 सहपठित नियम संख्या 152 (क) एवं शासनादेश संख्या 58/2021/2350/33-3-2021-2257/2021 के क्रम में केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदारों/फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य निम्नलिखित है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलन लागत जी.एस.टी. सहित	निविदा का प्रकार	सामग्री/पूर्ण कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	प्राइमरी स्कूल में कायाकल्प कार्य	4.75 लाख	सामग्री आपूर्ति	3.56 लाख	2%	100.00	3 माह
2	जूनियर हाईस्कूल में मिड डे मील शेड एवं समरसेबिल कार्य।	2.31 लाख	सामग्री आपूर्ति	1.91 लाख	2%	100.00	3 माह
3	प्राथमिक विद्यालय मुडिया गन्नू में मिड डे मिल शेड कार्य	1.87 लाख	सामग्री आपूर्ति	1.47 लाख	2%	100.00	3 माह

निविदा से सम्बन्धित विवरण

क्र.सं.	विवरण	दिनांक	समय
1	निविदा प्रारम्भ	08.08.2026	सुबह 10.00 बजे
2	निविदा समाप्त	11.08.2026	दोपहर 1.00 बजे
3	निविदा खोलने का दिनांक	11.08.2026	दोपहर 3.00 बजे

1. कार्य से संबंधित विवरण निविदा प्रपत्र के साथ किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 2. आयकर व्यापार कर नियमानुसार देय होगा । 3. कार्यो का अनुबंध सक्षम स्तर से अनुमोदन/स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत लिया जायेगा । 4. कार्यदेश एवं कार्य का भुगतान शासन से धनराशि प्राप्त होने के उपरांत ही किया जायेगा । 5. इस निविदा को बिना कारण बताये पूर्ण या आंशिक रूप से निरस्त करने या सामग्री की आपूर्ति को बढाने या घटाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास होगा ।

प्रशासक
ग्राम पंचायत सिहाली खद्दर
वि.ख. डिलारी व जिला मुरादाबाद

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत सिहाली खद्दर
वि.ख. डिलारी व जिला मुरादाबाद

7.50 लाख की चोरी का पर्दाफाश! पैसे बांटने से पहले ही बहेड़ी पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर चोर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना बहेड़ी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 7.50 लाख रुपये की चोरी की घटना का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पूरी रकम 7.50 लाख रुपये भी बरामद कर ली।

पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त को पीड़ित निरपन ने अपने घर से नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर थाना बहेड़ी में मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो युवक चोरी के रुपये आपस में बांट रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके से दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुजीत मंडल निवासी भुडिया कॉलोनी, बहेड़ी और मनोज निवासी सितारगंज, उत्तराखंड के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने अपने परिचित के घर में रखी जमीन खरीदने की रकम चोरी करने की योजना बनाई थी और 30 जुलाई को वारदात को अंजाम दिया था। बाद में जब दोनों रुपये बांटने बैठे, तभी पुलिस ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया।

बहेड़ी पुलिस की इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया।

दहेज हत्या कांड में पुलिस पति और सास को आंवला पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आंवला पुलिस ने दहेज हत्या के चर्चित मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतका का पति आकाश और उसकी सास कमलेश शामिल हैं।

दोनों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता का उत्पीड़न करने और उसकी हत्या करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार 7 जुलाई 2026 को मृतका के भाई राना सिंह की तहरीर पर थाना आंवला में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में पति सहित सात नामजद आरोपियों पर पांच लाख रुपये नकद और चार पहिया वाहन की मांग करने, प्रताड़ित करने तथा हत्या करने का आरोप लगाया गया। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। 6 अगस्त 2026 को प्रभारी निरीक्षक आंवला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम रामनगर स्थित मकान से पति आकाश (24 वर्ष) और उसकी मां कमलेश (44 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक नरेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल नरेन्द्र, महिला हेड कांस्टेबल रेनू केशरवानी तथा कांस्टेबल फैजान शामिल रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा श्री हरि मंदिर, श्रद्धाभाव से हुआ प्रदोष पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास की पावन बेला में श्री हरि मंदिर सेवा ट्रस्ट समिति द्वारा श्री हरि मंदिर प्रांगण में भगवान भोलेनाथ का भव्य प्रदोष पूजन श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। पूज्य पंडित सुनील शास्त्री महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जलाभिषेक एवं पूजन कराया, जिसमें बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित किया गया। सुबह मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया गया। पूजन में ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा सहित पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस वर्ष यजमान बनने का सौभाग्य दीपक अरोरा एवं राकेश बाजक के परिवार को प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में ट्रस्ट पदाधिकारी, महिला मंडल की सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए प्रसाद वितरित किया।

कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे के आगमन को लेकर तैयारियां तेज

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे के 8 अगस्त को प्रस्तावित नगर आगमन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए नगर पालिका प्रशासन और आयोजक लगातार व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे सर्वप्रथम तहसील परिसर पहुंचकर नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न महापुरुषों एवं समस्त जातियों की स्मृति में स्थापित कराई गई चित्रकारी का अनावरण करेंगे। इसके उपरांत वह शाहबाद रोड स्थित नवनिर्मित श्री परशुराम पार्क का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद कैबिनेट मंत्री ग्रीनवुड फार्म हाउस पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे तथा क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखेंगे।

कार्यक्रम को लेकर नगर पालिकाध्यक्ष रघुराज सिंह यादव एवं सभासद एडवोकेट देवेश शर्मा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कार्यक्रम भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे त्रिदेव कांवड़ बेड़ा के शिवभक्त, शिवरात्रि पर करेंगे जलाभिषेक

बिलारी,क्यूँ न लिखूँ सच / गुन्नौर क्षेत्र के ग्राम छबीलपुर का त्रिदेव कांवड़ बेड़ा हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गांव की ओर लौट रहा है। बृहस्पतिबार को कांवड़ बेड़ा बिलारी रोडवेज बस स्टैंड पहुंचा, जहां शिवभक्तों ने विश्राम किया तथा भोजन बनाकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और शिवभक्तों के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा।महंत योगेंद्र कश्यप के नेतृत्व में निकला यह कांवड़ बेड़ा 30 जुलाई को हरिद्वार के लिए रवाना हुआ था। श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ पूरी की जा रही इस यात्रा का समापन 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि के पावन अवसर पर होगा।महंत योगेंद्र कश्यप ने बताया कि शिवरात्रि के दिन ग्राम छबीलपुर स्थित शिवालय में विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। साथ ही क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना के लिए विशेष पूजा-अर्चना भी की जाएगी।उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान सभी शिवभक्त सेवा, संयम और भक्ति भाव के साथ आगे बढ़ रहे हैं। त्रिदेव कांवड़ बेड़ा में महंत योगेंद्र कश्यप के अलावा सोनू, जितेंद्र, परवीन, सौरभ, रुपेश, अरुण, रोहित, संजय, सचिन, अतुल, शिवम और हिमांशु सहित कुल 13 शिवभक्त शामिल हैं।ग्रामीणों ने कांवड़ियों की सकुशल यात्रा की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। शिवरात्रि पर होने वाले जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर फहीम इरफान व कमाल अख्तर ने सदन में उठाई आवाज

बिलारी, क्यूँ न लिखूँ सच / समाजवादी पार्टी के बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान एवं कांठ विधायक कमाल अख्तर ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने के प्रस्तावित आदेश का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। दोनों विधायकों ने नियम-56 के अंतर्गत संयुक्त रूप से सूचना देकर इस विषय पर सदन में चर्चा कराने की मांग की।विधायकों ने कहा कि यदि प्रस्तावित कार्रवाई अमल में लाई जाती है तो इससे विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। साथ ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों की आजीविका भी प्रभावित होगी। उन्होंने सरकार से विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए मामले पर पुनर्विचार करने और शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित होने से बचाने की मांग की। हालांकि विधानसभा का सत्र हंगामे की वजह से बाधित रहा और इस विषय पर चर्चा नहीं हो सकी, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नियम-56 के तहत दी गई सूचना को ग्राह्यता के आधार पर स्वीकार कर लिया। इसके बाद अब नियमानुसार इस मामले में विधानसभा की ओर से आगे की प्रक्रिया तथा संबंधित विभाग से जवाब प्राप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। हाजी मोहम्मद फहीम इरफान और कमाल अख्तर ने आशा व्यक्त की कि सरकार छात्रों और शिक्षा के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस मामले में सकारात्मक निर्णय लेगी तथा सभी पक्षों को ध्यान में रखकर उचित कदम उठाएगी।

भाजपा मण्डल की मासिक बैठक में तिरंगा यात्रा की बनी रणनीति

बिलारी, क्यूँ न लिखूँ सच / भारतीय जनता पार्टी बिलारी मण्डल की मासिक बैठक एवं प्रस्तावित तिरंगा यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर, बिलारी में किया गया। बैठक में मण्डल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में पूर्व संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। इस दौरान बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, प्रत्येक घर तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि मण्डल प्रभारी एवं जिला महामंत्री नवीन चौधरी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ, मोहल्ले और परिवार तक पहुंचकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। पूर्व एमएलसी एवं विधानसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है और तिरंगा यात्रा इसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मण्डल अध्यक्ष विकास गुप्ता एडवोकेट ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मण्डल के सभी शक्ति केन्द्रों एवं बूथों पर हर घर तिरंगा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा और प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

बैठक में प्रशांत चौधरी, रविंदर चौधरी, अभिलाष गौड़, वीरपाल कोहली, मेघपाल सिंह, दिनेश प्रजापति, सभासद गिरीश बाबू, सभासद प्रेमपाल पासी, इमरान पाशा, अमित पाल, सनी सक्सेना सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने हर घर तिरंगा अभियान एवं तिरंगा यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसलों का बीमा कराने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं- उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना वर्ष 2026-27 में पूर्व की भांति लागू रहेगी। खरीफ वर्ष 2026 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत ऋणी कृषकों हेतु बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 तथा गैर ऋणी कृषकों हेतु 14 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में खरीफ मौसम के लिए धान, मक्का, बाजरा, उड़द एवं तिल की फसलों को अधिसूचित किया गया है। विपरीत मौसमीय परिस्थितियों एवं प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसानों की आय को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। फसल क्षति की स्थिति में बीमित किसान 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर अथवा निकटतम बैंक शाखा, बीमा कंपनी के कार्यालय के मोबाइल नंबर 8299024548 एवं 9719730905, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने जनपद के समस्त ऋणी एवं गैर ऋणी कृषकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराने की अपील की है।

उर्स मेला के अवसर पर अतिरिक्त 02 जोड़ी उर्स मेला स्पेशल ट्रेन चलेंगी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रेलवे प्रशासन द्वारा बरेली में आयोजित होने वाले उर्स मेला के अवसर पर अतिरिक्त भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए 02 जोड़ी उर्स मेला स्पेशल 05319/05320 इज्जतनगर-लालकुआं-बरेली सिटी एवं 05321/05322 बरेली सिटी-पीलीभीत-इज्जतनगर गाडियों का संचालन 8 अगस्त, 2026 को (एक फेरा) निम्न समयानुसार किया जायेगा:-

05319 इज्जतनगर-लालकुआं उर्स मेला स्पेशल गाड़ी इज्जतनगर से 16.05 बजे, भोजीपुरा से 16.25 बजे, अटामाण्डा से 16.34 बजे, देवरनियाँ से 16.43 बजे, रिक्षा रोड (हाल्ट) से 16.53 बजे, बहेड़ी से 17.05 बजे, किच्छा से 17.24 बजे, पंतनगर से 17.37 बजे प्रस्थान कर लालकुआँ से 18.20 बजे पहुँचेगी। वापसी में, 05320 लालकुआं-बरेली सिटी उर्स मेला स्पेशल गाड़ी लालकुआँ जंक्शन से 20.30 बजे, पंतनगर से 20.45 बजे, किच्छा से 20.58 बजे, बहेड़ी से 21.16 बजे, देवरनियाँ से 21.30 बजे, भोजीपुरा से 21.42 बजे, इज्जतनगर से 21.57 बजे प्रस्थान कर बरेली सिटी 22.40 बजे पहुँचेगी।

05321 बरेली सिटी-पीलीभीत उर्स मेला स्पेशल गाड़ी बरेली सिटी से 16.05 बजे, इज्जतनगर से 16.25 बजे, भोजीपुरा से 16.42 बजे, दिबनापुर (हाल्ट) से 16.55 बजे, सेथल से 17.02 बजे, बिजौरिया से 17.12 बजे, शाही से 17.52 बजे, ललौरीखेड़ा (हाल्ट) से 17.30 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत 18.00 बजे पहुँचेगी। वापसी में, 05322 पीलीभीत-बरेली सिटी उर्स मेला स्पेशल गाड़ी पीलीभीत से 19.35 बजे, शाही से 19.52 बजे, बिजौरिया से 20.02 बजे, सेथल से 20.12 बजे, दिबनापुर (हाल्ट) से 20.18 बजे, भोजीपुरा से 20.32 बजे प्रस्थान कर इज्जतनगर 21.15 बजे पहुँचेगी।

दिव्यांग बच्चों के लिए निशुल्क मेडिकल असेसमेंट कैम्प का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली ।फरीदपुर विकास खण्ड के नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय प्रथम में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के लिए मेडिकल असेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया। मेडिकल कैम्प समेकित शिक्षा के अन्तर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डॉ विनीता के निर्देशन में आयोजित किया गया। कैम्प में जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिल्पी श्रीवास्तव , खंड शिक्षा अधिकारी शीशपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान जिला अस्पताल के डॉ. संजय सिंह तोमर, डॉ. शेर अली, डॉ. आकांक्षा अग्रवाल ने दिव्यांग बच्चों का मेडिकल असेसमेंट किया। इस कैम्प में कुल 75 दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कुल 67 बच्चों को दिव्यांग प्रमाण पत्र मौके पर निर्गत कर दिए गये। कैंप के दौरान स्पेशल एजुकेटर संजीव त्रिपाठी, विजय त्रिपाठी, ललिता मोहन, अवध नारायण पांडे, राजेश, सहायक अध्यापक बुशरा नाज का विशेष सहयोग रहा।

माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश की पहल पर विदिशा में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद अभियान का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभिनव पहल पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किए गए जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद - मैं, मेरे अधिकार और मेरी जिम्मेदारियां कार्यक्रम का शुभारंभ आज 06 अगस्त 2026 को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विदिशा में किया गया।

यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश पुलिस विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश श्री कैलाश मकवाणा जी के निर्देशन एवं पुलिस महानिरीक्षक भोपाल (देहात) ज़ोन श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र, उप पुलिस महानिरीक्षक (देहात) रेंज भोपाल श्री राजेश सिंह चंदेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के नेतृत्व में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

डायल-112 एवं पुलिस व्यवस्था की दी जानकारी- कार्यक्रम के दौरान सउनि मनीष बोहरे एवं प्रधान आरक्षक मनोज विश्वकर्मा के द्वारा विद्यार्थियों को डायल-112 की भूमिका एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति, दुर्घटना, अपराध अथवा अन्य आवश्यक परिस्थितियों में डायल-112 के माध्यम से त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है।

साथ ही विद्यार्थियों को पुलिस रिस्पांस सिस्टम, आपातकालीन सेवाओं एवं नागरिकों की सुरक्षा में डायल-112 की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में एसडीओपी गंजबासौदा श्रीमती शिखा भलावी, रक्षित निरीक्षक श्री भूर सिंह चौहान, सूबेदार भागीरथ, विद्यालय के प्राचार्य श्री खजान सिंह, विद्यालय अकादमिक प्रभारी श्री विजय श्रीवास्तव, कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती ममता चौधरी, श्री जितेंद्र यादव एवं अंत में श्री उमेश ताम्रकार द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

कुईया झोर मजरे को संपर्क मार्ग से जोड़ने की दिशा में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / निजी काश्तकारों की भूमि व वन क्षेत्र बना अवरोध, सहमति एवं भूमि विनिमय के बाद प्रशस्त होगा सड़क निर्माण का मार्ग जनपद के दूरस्थ मजरे कुईया झोर को संपर्क मार्ग से जोड़ने की दिशा में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में आ रही प्रत्येक बाधा का समाधान समन्वय के साथ किया जाए, ताकि ग्रामीणों को शीघ्र आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि कुईया झोर, परासन ग्राम का मजरा है, जिसे परासन ग्राम संपर्क मार्ग से संतृप्त किया जाना प्रस्तावित है। राठ-कालपी-मदारीपुर मार्ग (राज्यमार्ग संख्या-130) के किलोमीटर 34 से कुईया झोर तक जाने वाले संपर्क मार्ग की कुल लंबाई 2.20 किलोमीटर है, जो वर्तमान में कच्चा मार्ग है। प्रस्तावित मार्ग में चैनेज 0.300 से 1.000 किलोमीटर तक निजी काश्तकारों की भूमि आती है, जबकि चैनेज 1.000 से 1.800 किलोमीटर तक आरक्षित वन क्षेत्र स्थित है। साथ ही राजस्व अभिलेखों में उक्त मजरा दर्ज न होने के कारण उसकी आबादी का विवरण उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना तथा नाबार्ड योजना के अंतर्गत 250 से अधिक आबादी वाली अनजुड़ी बसावटों को जोड़ने हेतु प्रस्ताव तैयार नहीं किया जा सका। अधिशासी अभियंता ने यह भी अवगत कराया कि 26 जून 2024 को लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता एवं वन विभाग के वन दरोगा द्वारा प्रस्तावित संरेखण का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया था, जिसमें निजी कृषकों की भूमि एवं वन भूमि मार्ग निर्माण में बाधा के रूप में पाई गई तथा कोई वैकल्पिक संरेखण उपलब्ध नहीं था।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के लिए आवश्यक वन भूमि के विनिमय की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र प्रारंभ की जाए। साथ ही निजी काश्तकारों से वार्ता कर सहमति के आधार पर समाधान निकाला जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन किसानों की भूमि सड़क निर्माण में प्रभावित हो रही है, उनके लिए भूमि के बदले उपयुक्त सरकारी भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव तैयार किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क निर्माण जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। वन भूमि एवं निजी भूमि से संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण होते ही मार्ग निर्माण का रास्ता प्रशस्त होगा और कुईया झोर के ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

शिक्षकों के अभद्र व्यवहार, खराब भोजन को लेकर पीएम श्री नवोदय विद्यालय के छात्रों ने किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के तहसील क्षेत्र भुजंगा स्थित पी एम श्री नवोदय विद्यालय में खराब भोजन और शिक्षकों के कथित उत्पीड़न से नाराज छात्र-छात्राओं ने स्कूल परिसर व मुख्य मार्ग पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। रात से शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन अगले दिन दोपहर तक जारी रहा। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता भी छात्रों के समर्थन में मैदान में उतर आए। अंततः जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ। भोजन में कीडे मिलने से बढ़ा आक्रोश- छात्रों के अनुसार, मेस में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता लंबे समय से बेहद खराब चल रही थी। भोजन में कीटाणु (कीड़े) निकलने के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने खाना खाने से इनकार करते हुए भोजन का बहिष्कार कर दिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने स्कूल प्रशासन और

पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए साथ ही अध्यापकों के द्वारा छात्रों के साथ गाली-गलौज, अभद्रता करने और पढ़ाई में लापरवाही बरतने के भी आरोप लगाते हुए मुख्य मार्ग (मेन रोड) पर आ गए। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। एबीवीपी नेताओं ने छात्रों की समस्याओं को बेहद गंभीर बताते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। मौके पर जिला संगठन मंत्री दिलीप, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रज्वल, पूर्व जिला संयोजक आकाश, मानस और विवेक सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान मामले की जानकारी मिलते ही उप-जिलाधिकारी आशीष भारद्वाज मौके पर पहुंचे, लेकिन छात्र जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद क्षेत्राधिकारी भिनगा भरत पासवान, पुलिस अधीक्षक और फूड ऑफिसर के साथ जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी ने छात्रों की सभी समस्याओं को सुना और एक विशेष टीम बनाकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच व समस्याओं के निस्तारण का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के ठोस आश्वासन के बाद छात्र-छात्राएं शांत हुए और सहमति के साथ वापस अपने हॉस्टल लौट गए।

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर डीएम ने की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं जिलाधिकारी अवनीश राय ने स्वतंत्रता दिवस-2026 के गरिमामय एवं भव्य आयोजन के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं समन्वित रूप से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व की भांति राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया जाए तथा सभी कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार संपन्न कराए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिक अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज सम्मानपूर्वक फहराएं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं भारतीय ध्वज संहिता का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में जनभागीदारी बढ़ाई जाए तथा सभी विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें,

ताकि राष्ट्रीय पर्व गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

15 अगस्त का जिला स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में होगा, स्वतंत्रता दिवस गरिमा और हर्षोल्लास से मनाने के निर्देश, तैयारियां शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के भव्य एवं गरिमामय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। गुरुवार को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में समारोह की रूपरेखा तय करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि 15 अगस्त को प्रातः 9 बजे पुलिस परेड ग्राउंड, शिवपुरी में जिला स्तरीय मुख्य समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज को सलामी, परेड निरीक्षण, मार्चपास्ट तथा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों में प्रातः 8 बजे तक कार्यालय प्रमुखों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए तथा निर्धारित समय पर सम्मानपूर्वक ध्वज अवतरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी प्रमुख सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर आकर्षक रोशनी करने, कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था और मुख्य अतिथि की आगवानी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता की झलक दिखाई देने पर विशेष जोर दिया गया।

साथ ही पुलिस विभाग को सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था तथा स्वास्थ्य विभाग को कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम तैनात रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने फांसी लगाकर जान दी पुलिस मौके पर पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) । कोंच नगर के मोहल्ला प्रताप नगर निवासी अंतरिक्ष बुधौलिया की पत्नी वर्षा बुधौलिया उम्र 24 वर्ष अपने घर पर थी तभी शाम के समय उसने अपने मकान में बने कमरे में फांसी लगा कर जान दे दी है इस घटना की खबर परिजनों ने पुलिस को दे दी है मौके पर सीओ परमेश्वर प्रसाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह कोतवाली के खेड़ा चौकी के प्रभारी शिवनारायण वर्मा सिपाही दीपक कुमार सिपाही सत्येंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और घटना स्थल और घटना के संबंध में जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम हेतु कार्यवाही की जा रही थी इस फांसी लगाने को लेकर कोई कारण पता नहीं चल रहा है फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है ।

मिशन शक्तिफेज-5 के तहत कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान निरंतर बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक करते हुए सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, फर्जी वेबसाइट एवं संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही ओटीपी, बैंकिंग विवरण एवं अन्य गोपनीय जानकारियां इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौपाल, संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें ष्शक्ति दीदीष के रूप में निडर होकर अपनी बात रखने एवं किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान किसी भी साइबर आपात स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के संबंध में जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा संबंधी सेवाओं तथा UPCOP ऐप एवं CCTNS प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न एजनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सरयू नहर की मुख्य शाखा में उतरता मिला युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सोनवा - थाना सोनवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तुलसीपुर के मजरा अडराई गांव के पास सरयू नहर की मुख्य शाखा के एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता दिखा। शव की पहचान नहीं हो सकी है। अडराई गांव के पास सरयू नहर की मुख्य शाखा के एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता दिखा। शव कहीं से बहकर आया था और बैराज के गेट में फंस गया था। शव देख आसपास के ग्रामीणों में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने शव दिखने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी बिशुनदेव पांडेय टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने खुद टीम के साथ युवक के शव को बाहर निकाला और स्थानीय ग्रामीणों से पहचान का प्रयास शुरू किया। लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी।

शिवपुरी में शराब दुकानों पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 20 प्रकरण दर्ज, 9.72 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। जिले में निर्धारित मूल्य से अधिक और कम दर पर शराब बेचने के मामलों में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 प्रकरण दर्ज किए हैं। अब तक 9 मामलों में लाइसेंसधारियों पर 9 लाख 72 हजार 168 रुपये की शास्ति अधिरोपित की जा चुकी है, जबकि शेष 11 मामलों में 11 लाख 56 हजार 33 रुपये की शास्ति अधिरोपित करने की प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा के निर्देश पर आबकारी विभाग ने जिलेभर की फुटकर मदिरा दुकानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) तथा अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) का पालन सुनिश्चित करना था। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में हुई जांच के दौरान 16 मामलों में अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक दर पर तथा 4 मामलों में न्यूनतम विक्रय मूल्य से कम दर पर मदिरा विक्रय किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद संबंधित लाइसेंसधारियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ताओं को निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मूल्य संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले लाइसेंसधारियों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

Curry leaf oil is a boon for hair; here's an easy recipe and the right way to make it at home.

There are many ingredients in our kitchens that are considered herbs for hair, one of which is curry leaves. Increasing pollution, deteriorating diets, and a deteriorating lifestyle are having a major impact on hair. This is why every second person is suffering from hair loss, and this monsoon season is further worsening it. For this, you don't need expensive serums from the market, but a good oil that nourishes hair from the roots. Curry leaf oil can prove to be very beneficial. Curry leaves are nothing short of magical for strengthening and growing hair from the roots. The protein, iron, beta-carotene, and vitamins present in it help deeply nourish hair. The best part is that this oil can be easily prepared at home. Let's learn its recipe: Ingredients - 2 cups curry leaves, 2 tablespoons fenugreek, 300 grams coconut oil Method - To prepare the oil, place 2 cups curry leaves and 2 tablespoons fenugreek in a mixer jar. Grind them finely. If desired, they can also be coarsely ground, as the oil requires its nutrients. Now, pour 300 grams of coconut oil into a large pan. Mix the fenugreek and curry leaves mixture into it. Make sure the gas is on low heat. Heat the oil on low heat for at least 10-15 minutes to allow the nutrients to absorb into the oil. In the next step, check if the curry leaves have turned black and crispy, meaning the oil is almost ready. Turn off the heat and let the oil cool. Strain the oil through a clean cotton cloth or sieve. Store it in a glass container. Your special curry leaf oil is ready. How to apply it? This oil can be applied twice a week. Apply it an hour before shampooing or at night before bed. When applying, warm the oil and then gently massage your scalp. Then, wash it off with a mild shampoo.

Free and easy AI tools have become doctors' first choice! Survey reveals low trust in medical tools

A report has revealed that doctors are increasingly using free AI tools instead of medical AI tools, which is a cause for concern for the medical community. Whether gathering information related to a disease before treatment, reviewing medical journals and research papers, preparing clinical notes for patients, or obtaining medication information, doctors are increasingly relying on artificial intelligence (AI). The concern is that a large number of doctors are using generic AI tools that have not been developed for the medical field. AI poses a threat to patients - Experts say that the use of AI is a necessity for the future, but certified AI platforms developed for the medical field should be used instead of generic AI. Relying on information from generic AI can pose a risk to patients. "Clinicians of the Future 2026" Report - This worrying situation has been revealed in the recently released "Clinicians of the Future 2026" report by the global company Elsevier. To assess the increasing use of AI in healthcare, the changing work practices of doctors, and future needs, this global report sought the opinions of 2,757 doctors and healthcare professionals from 118 countries, including India. This included 538 doctors from India. 48 percent of doctors are using AI tools in their work. According to the report, 48 percent of Indian doctors are using AI. Of these, 54 percent use general AI tools, and 26 percent use specialized clinical doctor platforms developed for the medical field. Another 20 percent use both types of AI tools as needed. The increased use of general AI tools is due to their easy availability, low cost, and ease of use. - Free AI Tools - A major reason is that most general AI tools are available for free or at a low cost, and their use does not require specialized training. While clinical AI platforms developed specifically for the medical field are based on certified medical journals, scientific research papers, clinical guidelines, and reliable medical databases, their use requires institutional subscriptions, licensing, and training. This is why their use is relatively low. Furthermore, the National Institute of Allergy and Medical Research (NMC), ICMR, and the Union Ministry of Health have not yet issued any guidelines or regulatory frameworks for the use of general AI and medical-specific AI.

Which water is best for digestion – fennel or celery? Clear your confusion this way.

Fennel or celery water can be beneficial for post-meal bloating, acidity, gas, and heaviness. Fennel water cools the stomach, reducing acidity and bloating. Celery water increases digestive enzymes, relieving gas and stomach pain. Consulting a doctor before consuming either is crucial. The various recommendations on digestion on social media can create confusion. Some suggest a recipe using black salt and celery, while others suggest various uses with fennel. If you're facing a similar dilemma, in this article, we'll discuss the benefits of fennel and celery water, how to prepare them, and precautions that can help. Benefits of Fennel Water: Cools the stomach, relieves acidity and heartburn, helps reduce bloating, and is also beneficial for mild constipation. Benefits of Celery Water: Boosts enzymes that aid digestion, helps lighten the stomach after oily foods, relieves gas and stomach pain, and speeds up digestion. What does fennel do? Research conducted in 2022 shows that whole fennel is very beneficial in reducing stomach problems. It boosts digestive enzymes in the stomach and helps break down food. Fennel water is extremely beneficial for those who experience bloating or gas after eating. Celery water stimulates digestion – it warms the body, and it is recommended to boil it in water and drink it lukewarm. The element called thymol present in it is considered very good for digestion. It helps digest heavy and oily meals more effectively. Who should drink it: Celery water is a good option for those who frequently experience gas, indigestion, constipation, or slow digestion. Drinking it after a heavy meal or during digestive problems can provide relief. However, consult your doctor before drinking it daily. Digestive health also depends on factors like stress levels, meal timing, whether you get enough sleep, and how much water you drink. Prepare fennel water like this: If you're preparing fennel water for one person, add one teaspoon of fennel seeds to a glass of water. Soak it overnight and drink it in the morning on an empty stomach. Prepare celery water like this: Add one teaspoon of celery seeds to a glass of water and boil it for a while. Strain and drink it lukewarm. Keep these things in mind: Drinking excessive amounts of celery water can increase acidity. While taking fennel water or celery water, you also have to take full care of your diet and hydration.

Bigg Boss OTT contestant Jiya Shankar got engaged, shared romantic photos with her boyfriend.

Bigg Boss OTT 2 fame Jiya Shankar got engaged to her fiancé Karan. Sharing romantic photos, she wrote a sweet note for Karan and revealed how Karan proposed to her. Jiya Shankar got engaged to boyfriend Karan - flaunted a diamond ring in a romantic outdoor proposal - called Karan her "home," shared a sweet note. Jiya Shankar, who rose to fame with Bigg Boss OTT 2, has finally got engaged. Sharing romantic photos with her fiancé Karan, she wrote a sweet note. Jiya explained why her relationship with Karan is so special. Jiya shared a romantic note for Karan. Along with this, Jiya also shared a glimpse of the outdoor proposal she planned for herself, which looks absolutely dreamy. Referring to Karan in her caption, Jia wrote, "Maybe it's true that love comes when you least expect it, but here God truly tested my patience. It wasn't easy, but somehow it became easier. Every conversation with you, even though you were thousands of miles away, felt like home." Calling Karan her home, she further added, "This journey wasn't easy, but we chose each other every day. You gave me the love I'd been waiting for all my life. You made me laugh even on my toughest days. When we left at the airport, you always hugged me tightly, as if your heart was breaking into a thousand pieces. No matter where we were in the world, home was never a place; home was always you." Jia was seen flaunting a diamond ring - Karan proposed to Jia in a romantic outdoor setting at sunset. One of the photos he posted shows his diamond engagement ring. In the photo, the couple is seen kissing and showering each other with love. For the special occasion, she wore a pastel yellow satin gown, and Karan wore a beige shirt with white trousers. Recently, rumors surfaced that Jiya was dating Abhishek Malhan from Bigg Boss OTT 2, after which Jiya put an end to the speculation. Jiya posted a romantic photo with an unknown man, confirming that she was dating someone else.

Emraan Hashmi's Awarapan 2 cleared by the Censor Board, 9 scenes changed in the 2-hour 20-minute film

Emraan Hashmi's upcoming film, Awarapan 2, has been cleared by the Censor Board. Emraan Hashmi's most anticipated film, Awarapan 2, is finally ready to hit theaters. The film has been cleared by the Central Board of Film Certification (CBFC). Fans are eager to see Emraan Hashmi, who returns after 19 years with the sequel, Awarapan 2, in the role of Shivam. Disha Patani and Shabana Azmi also star in the film. The film, which will hit the big screen next week, was sent to the Censor Board before that. The Censor Board has now cleared the film, granting the makers a certificate. This romantic action thriller is available in theaters for those aged 16 and older. The film has been granted a UA 16+ certificate. According to the certification received on August 5th, Emraan Hashmi's Awarapan 2 has a runtime of 2 hours and 20 minutes. The original film also had a running time of 2 hours and 13 minutes. What changes have been made to Awarapan 2? Along with the 16+ certification, nine scenes have also been edited. According to the CBFC's list of changes, the makers were asked to add disclaimers regarding drug use and child trafficking. The board also directed the makers to replace obscene words in both audio and subtitles. Violent scenes have also been altered. The violence in one scene has been reduced by approximately 50 percent. Additionally, a scene depicting drug use and the end credits have also been edited. When will Awarapan 2 release? - Directed by Nitin Kakkar, Awarapan 2 hits theaters on August 14th. There's a lot of buzz surrounding the film. The sequel is coming after 19 years. Awarapan wasn't particularly successful, so it remains to be seen whether the sequel will be a box office success.

People mistook Kanika Kapoor for Kiara Advani in the Batwara 1947 poster; now the actress has said, "So many comparisons..."

Actress Kanika Kapoor is often mistaken for Kiara Advani. She has responded to the confusion caused by the Partition 1947 poster. Actress Sneha Ullal has been compared to Aishwarya Rai, and Zarine Khan to Katrina Kaif due to their strikingly similar looks in Hindi cinema. Now, actress Kanika Kapoor, who starred in the serial "Ek Duje Ke Vaaste 2" and the film "Dono," has joined the comparisons. She will be seen in the upcoming film "Batwara 1947." People mistake Kanika for Kiara - As soon as the film's poster was released, some people mistook her for actress Kiara Advani, while others began comparing her to her. Kanika's face also resembles Kiara. However, Kanika has no problem with this comparison. Kanika Kapoor laughed at being mistaken for Kiara Advani. Kanika Kapoor, on being compared to Kiara Advani, says, "When I saw that people mistook me for Kiara in the poster, I laughed a lot. People have compared me to Kiara before, but never this much. I was just laughing, thinking that maybe when they see the film, they will look for Kiara, but they will find me." Kanika Kapoor says she has no problem with the comparison. She said, "I have no problem with it (the comparison). People have already told me many times that I look like her." The actress said that even before this, after the release of her web series 'Imature Season 2', people had compared her with Kiara. Let us tell you that Kanika Kapoor, Sunny Deol, Karan Deol, Preity Zinta and Shabana Azmi are in the lead roles in 'Batwara 1947' (Batwara 1947 Release Date), directed by Rajkumar Santoshi. The film will be released in theatres on August 14. It has been produced under the banner of Aamir Khan's production house.